8 (मनोविज्ञान एंव जीवन) XII (psychology and life)

① प्रश्न — आक्रामकता एंव हिंसा को वर्णित करें।

Define the Aggressiveness and Violence ?

Ans → आक्रामकता तथा हिंसा आज के युग की मुख्य समस्याएँ हैं। इनके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के व्यवहार आते हैं, शिक्षा संस्थाओं में नये विद्यार्थियों को प्रताड़ना (रैगिंग) से लेकर बच्चों से दुर्व्यवहार, घरेलू हिंसा, हत्या तथा बलात्कार, दंगे तथा आंतकवादी हमले। दूसरे व्यक्ति या वस्तु के प्रति बलपूर्वक व्यवहार को हिंसा कहा जाता है। हम प्रतिदिन समाचार पत्रों, रेडियो एंव दूरदर्शन पर हिंसा, दंगा अपहरण, बलात्कार, उग्रवाद एंव आंतकवाद आदि की घटनाओं के बारे में सूचना प्राप्त करते हैं। हिंसा शारीरिक, मानसिक एंव आर्थिक क्षति पहुँचाती है।

दूसरे तरह के मनोवैज्ञानिक वे हैं जो आक्रामकता में सीखने के महत्व को मानते हैं। उनका कहना है कि जन्म के बाद व्यक्ति अपने सामाजिक जीवन में आक्रामक बनना सीख जाता है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक डोलार्ड तथा मिलर ने आक्रामक व्यवहार की व्याख्या करने के लिए एक सिद्धान्त प्रतिपादित किया है।

आक्रामकता एंव हिंसा एक अत्यन्त जटिल प्रक्रिया है जो व्यक्तिगत एंव सामाजिक स्थितियों के परिणाम स्वरूप होता है।

निष्कर्ष के तौर पर हम कह सकते हैं कि आक्रामकता एंव हिंसा को समझने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एंव सांस्कृतिक सभी पक्षों पर ध्यान देना आवश्यक है। किसी भी दंगे में रेल, बस या दूसरी सार्वजनिक सम्पति को तोड़-फोड़ या जलाना हिंसा व आक्रमण दोनों ही कहलाते हैं।

Scanned with CamScanner

4 सामूहिक सम्बन्ध (Group relation) →

सामूहिक समूहों में लंबीय और समानांतर सम्बन्ध देखे जाते हैं। किसी का अधिकार अधिक और किसी उप समूह का अधिकार कम होता है। समानांतर समूह में अधिकार और कार्य समान होते हैं जैसे— महाविद्यालय के समूह में।

Function of the Group → समूह सदस्यों के लिए कुछ कार्य करता है जो इस प्रकार हैं

(1) सामान्य आवश्यकताओं की संतुष्टि :— (Satisfaction of General needs) → आवश्यकताओं की संतुष्टि में परिवार के अतिरिक्त पड़ोस, मित्र मण्डली, खेल समूह, धार्मिक समूह, राजनैतिक दल, व्यापारिक संघ आदि की कुछ भूमिका होती है।

2. व्यक्ति का सामाजीकरण — (Socialization of individual) → व्यक्ति के समाजीकरण में परिवार के अतिरिक्त मित्र मण्डली, समूह आदि का योगदान होता है। समाजीकरण प्रक्रिया द्वारा ही व्यक्ति सामाजिक प्राणी बनता है।

3. आधारभूत आवश्यकताओं की संतुष्टि :— (Satisfaction of Fundamental Needs) → आधारभूत आवश्यकताओं के अन्तर्गत भोजन, पानी, पवन, नींद, आराम आदि आते हैं। व्यक्ति के इन आवश्यकताओं की पूर्ति में परिवार का योगदान अति महत्वपूर्ण है।

4. नई आवश्यकताओं का निर्माण (Creation of new needs) — समय के साथ-2 सदस्यों और समूह में नई आवश्यकताएँ उत्पन्न हो जाती हैं।

5. समूह के लक्ष्य — (Group goal) → प्रत्येक समूह के लक्ष्य होते हैं जिन्हें व्यक्ति प्राप्त करना चाहते हैं अतः सभी सदस्य इन समूहों के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।

Scanned with CamScanner